कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (31) खण्ड -{61}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- अन्त समय में बाप किन बच्चों को सहायता देते हैं ?

A- जो पवित्र रहते हैं।

B- जो श्रीमत पर चलते हैं।

C- जो कदम कदम पर बाप से राय लेते हैं।

D- जो अच्छी रीति सर्विस करते हैं।

प्रश्न 2- वन्डरफुल मुखड़ा किसका है ?

A- शिव बाबा का

B- ब्रह्मा बाबा का

C- शिव बाबा जब ब्रह्मा तन का आधार लेते।

D- बाप-दादा का

प्रश्न 3- कैसी कन्याओं को ही पहले-पहले बाप अपना बनाते हैं ?

A- पढ़ाई की ब्रह्मचारी लाइफ हो

B- गरीब हो

C- पवित्र हो

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 4- सूर्यवंशी घराने में ऊंच पद पाने का पुरुषार्थ क्या है ?

A- बाप को याद करो और दूसरों को कराओ।

B- स्वदर्शन चक्रधारी बनो और बनाओ

C- से ऐसा कोई कर्म न हो जो सजा खानी पड़े।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 5- नाटक में कब वन्डरफुल पार्ट होता है ?

A- आदि

B- मध्य

C- अंत

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 6- पिछाड़ी में ही वाह-वाह होती है, उसी समय तो बहुत खुशी में रहेंगे। जिनमें ज्ञान नहीं है उनका क्या होगा ?

A- बहुत रोयेंगे

B- त्राहि त्राहि करेंगे

C- बेहोश हो जायेंगे

D- पश्चाताप करेंगे

प्रश्न 7- अपकारी पर भी उपकार करने वाला ही क्या कहलाता है ?

A- सिद्धि स्वरूप आत्मा

B- ज्ञानी तू आत्मा

C- शुभ चिंतक

D- सच्चा रहमदिल

प्रश्न 8- क्या सफल करने से व्यर्थ स्वत: समाप्त हो जाता है ?

A- समय

B- संकल्प

C- श्वांस

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 9- आज भारत को किस बात की दरकार है, जिससे ही कौड़ी जैसा भारत हीरे जैसा बनेगा, सबकी गति सद्गति होगी ?

A- पवित्रता

B- श्रीमत की

C- शांति की

D- प्रेम की

प्रश्न 10- सर्वशक्तिवान बाप में कौन सी शक्ति है, जो मनुष्यों में नहीं ?

A- सुख देने की

B- संपत्ति देने की

C- रावण को मारने की

D- अवगुणों को निकालने की

प्रश्न 11- पवित्र को ब्राह्मण कहा जाता है, अपवित्र को शूद्र वर्ण का कहेंगे। जो पुरूषार्थी हैं उनको क्या कहेंगे ?

A- मनुष्य

B- हाफ कास्ट

C- महावीर

D- स्टूडेंट

प्रश्न 12- बच्चों को बाप से कौन सी उम्मींद नहीं रखनी चाहिए ?

A- ऊँच पद पाने की

B- बीमारी ठीक करने की

C- सुख संपत्ति प्राप्त करने की

D- पाप भस्म करने की

प्रश्न 13- बाप किस रूप से बच्चों से गैरन्टी करते हैं कि बच्चे मैं तुम्हें अपने साथ वापस ले जाऊंगा, यह गैरन्टी कोई देहथारी नहीं ले सकता ?

A- टीचर

B- सतगुरु

C- पंडे

D- बागवान

प्रश्न 14- तुम बच्चे जो यह कथा सुन रहे हो, यह पूरी कब होगी ?

A- जब दुनिया का विनाश होगा।

B- जब शिव बाबा नीचे आ जाएंगे।

C- जब तुम फरिश्ते बन जायेंगे।

D- जब तुम पास हो जाएंगे।

प्रश्न 15- शिवबाबा की महिमा में कौन सा शब्द गलत है ?

A- अभोक्ता

B- असोचता

C- अकालमूर्त

D- अकर्ता

प्रश्न 16- आज्ञाकारी वो हैं जो मन और बुद्धि को सदा किससे खाली रखता है।

A- मनमत

B- व्यर्थ

C- शास्त्रमत

D- परमत

भाग (31) खण्ड {61} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- D.जो अच्छी रीति सर्विस करते हैं

जो अच्छी रीति सर्विस करते हैं उन्हें अन्त में जब बहुत आफतें आयेंगी उस समय सहायता मिलेगी। जरूर जो बाप के मददगार बने, बाप उन्हें मदद करेंगे।

उत्तर 2- C.शिव बाबा जब ब्रह्मा तन का आधार लेते

शिवबाबा जिसे अपना मुखड़ा नहीं, वह जब इस मुखड़े का आधार लेते हैं तो यह हो जाता है वन्डरफुल मुखड़ा इसलिए तुम बच्चे सम्मुख मुखड़ा देखने के लिए आते हो। इसका यादगार रुण्ड माला में मुखड़ा दिखाते हैं।

उत्तर 3- D.उपरोक्त सभी

कन्या को तो कुछ भी मिलता नहीं है। वह वहाँ चली जाती है हाफ पार्टनर बनती है, वर्सा नहीं ले सकती है। बच्चे तो फुल मालिक होते हैं। तो *ऐसी कन्याओं को ही पहले-पहले बाप अपना बनाते हैं। एक तो पढ़ाई की ब्रह्मचारी लाइफ है, गरीब हैं, पवित्र हैं, इनकी ही पूजा होती है। हैं सारी इस समय की बातें। इस समय तुम्हारी एक्ट चलती है जो फिर पूजी जाती है।*

उत्तर 4- D.उपरोक्त सभी

*सूर्यवंशी घराने में ऊंच पद पाना है तो बाप को याद करो और दूसरों को कराओ। जितना-जितना स्वदर्शन चक्रधारी बनेंगे और बनायेंगे उतना ऊंच पद पायेंगे। पुरुषार्थ

कर पास विद् ऑनर बनो। ऐसा कोई कर्म न हो जो सजा खानी पड़े।* सजा खाने वालों का पद भ्रष्ट हो जाता है।

उत्तर 5 - *C.अंत*

पिछाड़ी में भी कोई-कोई बहुत तीखे जाते हैं। मेहनत कर आगे बढ़ जाते हैं। तुम बहुत वन्डर्स देखते । *नाटक के पिछाड़ी में वन्डरफुल पार्ट होता है ना।*

उत्तर 6 - *C.बेहोश हो जायेंगे*

पिछाड़ी में ही वाह-वाह होती है, उसी समय तो बहुत खुशी में रहेंगे। *जिनमें ज्ञान नहीं है वह तो वहाँ ही बेहोश हो जायेंगे*। आपरेशन आदि के समय डॉक्टर लोग कमजोर को खड़ा नहीं करते हैं।

उत्तर 7 - *B.ज्ञानी तू आत्मा*

अपकारी पर भी उपकार करने वाला ही ज्ञानी तू आत्मा है।

उत्तर 8 - *D.उपरोक्त सभी*

जैसे रोशनी से अंधकार स्वत: खत्म हो जाता है। *ऐसे समय, संकल्प, श्वांस को सफल करने से व्यर्थ स्वत: समाप्त हो जाता है*, क्योंकि सफल करने का अर्थ है श्रेष्ठ तरफ लगाना।

उत्तर 9 - *B.श्रीमत*

इस समय इस भारत को श्रीमत की दरकार है, श्रीमत से ही कौड़ी जैसा भारत हीरे जैसा बनेगा, सबकी गति सद्गति होगी''

उत्तर 10 - *C.रावण को मारने की*

रावण को मारने की शक्ति एक सर्वशक्तिमान् बाप में है, मनुष्यों में नहीं। राम की शक्ति के सिवाए यह रावण मर नहीं सकता। बाप जब आते हैं तब तुम बच्चों को ऐसी शक्ति देते हैं जिससे तुम भी रावण पर जीत पा लेते हो।

उत्तर 11 - *B.हाफ कास्ट*

मीठे बच्चे जानते हैं यह होलीहंसों की सभा है, यहाँ सब ब्राह्मण बैठे हैं। *पवित्र को ब्राह्मण कहा जाता है, अपवित्र को शूद्र वर्ण का कहेंगे। जो पुरूषार्थी हैं उन्हों को हाफ कास्ट कहेंगे*, न इधर के, न उधर के।

उत्तर 12 - *B.बीमारी ठीक करने की*

बच्चों को बाबा से ये उम्मीद नही रखनी चाहिए कि हमारी बीमारी को ठीक कर दो, कुछ कृपा करो। बाबा कहते यह तो तुम्हारे पुराने आरगन्स हैं। थोड़ी बहुत तकलीफ तो होगी ही, इसमें बाबा क्या करें।

उत्तर 13 - *B. सतगुरु*

“मीठे बच्चे - *बाप ही सतगुरू के रूप में तुम बच्चों से गैरन्टी करते हैं, बच्चे मैं तुम्हें अपने साथ वापस ले जाऊंगा, यह गैरन्टी कोई देहधारी कर न सके''*

उत्तर 14 - *C.जब तुम फरिश्ते बन जायेंगे*

तुम बच्चे यह कथा जो सुन रहे हो, यह पूरी तब होगी जब तुम फरिश्ते बन जायेंगे। कथा सुनाई जाती है पतित को। जब पावन बन गये तो कथा की दरकार नहीं, इसलिए सूक्ष्मवतन में पार्वती को शंकर ने कथा सुनाई - यह कहना ही रांग है।

उत्तर 15 - *D.अकर्ता*

शिवबाबा की महिमा में उन्हें अभोक्ता, असोचता, करनकरावनहार कहना राइट है। बाकी अकर्ता कहना राइट नहीं क्योंकि वह पतितों को पावन बनाते हैं।

उत्तर 16 - *A.मनमत*

आज्ञाकारी वो हैं जो मन और बुद्धि को मनमत से सदा खाली रखते हैं।

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (31) खण्ड -{62}

प्रश्न 1- भारत में अनेक छुट्टियां होती हैं, लेकिन संगमयुग पर तुम्हें एक सेकण्ड की भी छुट्टी नहीं मिलती क्यों ?

A- क्योंकि संगम का एक-एक सेकण्ड मोस्ट वैल्युबुल है।

B- आत्मा और शरीर दोनों को कंचन बनाना है।

C- सजाओं से छूटना है।

D- उपरोक्त सभी

2- स्वर्ग के साथ कौन सा अक्षर जरूर डालना है, जिससे स्वर्ग और नर्क अलग-अलग हो जायेगा ?

A- सर्वगुणसंपन्न

B- स्वर्णिम

C- देवी देवता

D- सतयुग

प्रश्न 3- सबसे अच्छा लोक कौन सा है ?

A- ब्रह्म लोक

B- देव लोक

C- ब्राह्मणों का लोक

D- सूक्ष्म लोक

प्रश्न 4- देवताओं की कंचन काया थी, अभी तो सबकी कैसी काया है ?

A- मिट्टी

B- लोहे

C- किचड़े

D- मूत पलीती

प्रश्न 5- निम्नलिखित में से कौन सा सा कथन सही नहीं है ?

A- जगत अम्बा का सिर्फ मेला लगता है।

B- दीपमाला पर व्यापारी लोग भी रूपये पूजा में रखते हैं।

C- हम सो लक्ष्मी-नारायण बनते हैं, फिर हम सो राम सीता बनेंगे।

D- उपरोक्त सभी कथन सही है।

प्रश्न 6- विचार सागर मंथन कर भारत की हिस्ट्री-जाग्रॉफी और नई दुनिया का..... सिद्ध कर बताओ तो कल्प की आयु सिद्ध हो जायेगी ?

A- रहस्य

B- कालचक्र

C- संवत्

D- जंतर - मंतर

प्रश्न 7- हमारे अन्दर से झूठ निकल जाये उसके लिए क्या करना है ?

A- सदा सत्य नारायण की कथा सुननी और सुनानी है।

B- कभी ऐसी चलन नहीं चलनी है जो बाप की निन्दा हो।

C- अच्छे लक्षण धारण कर फिर सेवा करनी है।

D- आपस में बहुत मीठा होकर रहना है।

प्रश्न 8- लक्ष्मी-नारायण की डिनायस्टी को 5 हजार वर्ष हुआ और ..... वर्ष हुए राम-सीता को, फिर आगे उनकी डिनायस्टी चली ?

A- 1250
B- 3750
C- 2500
D- 5000

प्रश्न 9- सच्चे दिल से किसको राज़ी करने वाले ही रूहानी मौज में रहते हैं ?

A- दाता

B- विधाता

C- वरदाता

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 10- सारे संस्कार किसमें विद्यमान रहते हैं ?

A- बुद्धि में

B- मन मे

C- आत्मा में

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 11- तुम बच्चों को यह शुद्ध अभिमान होना चाहिए कि..... ?

A- मैं ब्राह्मण हूँ।

B- भगवान मुझे पढ़ाते हैं।

C- मैं आत्मा हूँ।

D- हमने ही 84 जन्म लिए हैं।

प्रश्न 12- जो बाप की श्रीमत का उल्लंघन करते हैं, उनकी अन्तिम गति क्या होगी ?

A- माया के भूत अन्त में राम नाम सत है...करके घर ले जायेंगे।

B- बहुत कड़ी सजा खानी पड़ेगी।

C- श्रीमत पर न चले तो मरे।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 13- यदि आत्मा सच्चा सोना नहीं होगी तो ..... सच्चे सोने का कैसे बनेगा ?

A- महल

B- स्वर्ग (सतयुग)

C- जेवर (शरीर)

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 14- तुम बच्चों ने 84 जन्म पूरे किये। 8 पुनर्जन्म सतयुग में, 12 पुनर्जन्म त्रेता में, फिर ..... जन्म द्वापर कलियुग में ?

A- 21

B- 42

C- 62

D- 63

प्रश्न 15- बाप बच्चों को रोज़ भिन्न-भिन्न ढंग से नई प्वाइंट्स क्यों सुनाते हैं ?

A- ताकि बच्चों की बुद्धि में बैठ जाये।

B- बच्चों की अनेक जन्मों की दिल पूरी करनी है।

C- बाप के प्रति लव बढ़ जाये।

D- B और C

प्रश्न 16- निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही नहीं है ?

A- सम्मुख वालों को भी माया भुलाती है।

B- जब हम देवी-देवता बने तब दूसरे धर्म वाले मुक्ति में जायें।

C- हम अभी कलियुग में नहीं हैं।

D- उपरोक्त सभी सही हैं।

भाग (31) खण्ड {62} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *D.उपरोक्त सभी*

क्योंकि संगम का एक-एक सेकण्ड मोस्ट वैल्युबुल है , इसमें श्वासों श्वांस बाप को याद करना है, रात-दिन सर्विस करनी है। आज्ञाकारी, वफादार बन याद से विकर्म विनाश करके इज्जत के साथ सीधा घर जाना है, *सजाओं से छूटना है, आत्मा और शरीर दोनों को कंचन बनाना है* इसलिए तुम्हें एक सेकण्ड की भी छुट्टी नहीं।

उत्तर 2 - *D.सतयुग*

स्वर्ग के साथ सतयुग अक्षर जरूर डालना है तो स्वर्ग और नर्क अलग-अलग हो जायेगा। नहीं तो मनुष्य कह देते हैं स्वर्ग, नर्क यहाँ ही है।

उत्तर 3 - *C.ब्राह्मणों का लोक*

जहाँ बाबा रहते हैं वह है मुक्तिधाम, ब्रह्म लोक। *लेकिन सबसे अच्छा है यह ब्राह्मणों का लोक।* ब्राह्मण जनेऊ जरूर पहनते हैं, चोटी भी रखते हैं क्योंकि बाबा हम ब्राह्मणों को चोटी से पकड़ ले जाते हैं।

उत्तर 4 - *C.किचड़े*

आत्मा भी प्योर और शरीर भी प्योर, उसको कंचन काया कहा जाता है। *देवताओं की कंचन काया थी। अभी तो सबकी किचड़े की काया है।* 5 तत्व तमोप्रधान हैं तो उससे शरीर देखो कैसा बनता है। शक्लें देखो कैसी हैं।

उत्तर 5- *D.उपरोक्त सभी कथन सही हैं*

जगत अम्बा के पास कभी पैसा नहीं मांगेंगे। पैसे के लिए लक्ष्मी के पास जाते हैं। *दीपमाला पर व्यापारी लोग भी रूपये पूजा में रखते हैं।* समझते हैं वृद्धि होगी। मनोकामना पूरी होती है। *जगत अम्बा का सिर्फ मेला लगता है* ।हम ब्राह्मण सो फिर देवता बनते हैं। यह अभी जानते हैं *हम सो लक्ष्मी-नारायण बनते हैं, फिर हम सो राम सीता बनेंगे।*

उत्तर 6- *C.संवत*

मीठे बच्चे - विचार सागर मंथन कर भारत की हिस्ट्री-जाग्रॉफी और नई दुनिया का *संवत सिद्ध कर बताओ* तो कल्प की आयु सिद्ध हो जायेगी

उत्तर- 7- *A.सदा सत्य नारायण की कथा सुननी और सुनानी है*

अन्दर से झूठ निकल जाये उसके लिए *सदा सत्य नारायण की कथा सुननी और सुनानी है।* कभी ऐसी चलन

नहीं चलनी है जो बाप की निन्दा हो।

उत्तर- 8- *B.3750*

यह बातें बाप आकर समझाते हैं। जो मनुष्य सृष्टि का बीजरूप है, सृष्टि के आदि मध्य अन्त को जानने वाला है। *लक्ष्मी-नारायण की डिनायस्टी को 5 हजार वर्ष हुआ और 3750 वर्ष हुए राम-सीता को,* फिर आगे उनकी डिनायस्टी चली।

उत्तर 9- *D.उपरोक्त सभी*

ब्राह्मण बनना कोई मासी का घर नहीं है। यज्ञ में कोई गन्द नहीं करना है। 5 विकारों में से कोई भी विकार न हो। ऐसे नहीं क्रोध किया तो हर्जा नहीं। यह भूत आया तो तुम ब्राह्मण नहीं। *सच्चे दिल से दाता, विधाता, वरदाता को राज़ी करने वाले ही रूहानी मौज में रहते हैं।*

उत्तर 10- *C.आत्मा में*

प्रदर्शनी में अथवा कहाँ भी भाषण आदि करने जाओ तो पहले-पहले बाप की ही पहचान देनी है, फिर आत्मा की। *आत्मा तो भ्रकुटी के बीच रहती है। उसमें ही सारे संस्कार रहते हैं।* शरीर तो खलास हो जाता है। जो कुछ करती है वह आत्मा ही करती है।

उत्तर 11- *C.मैं आत्मा हूं*

आत्मा निकलने से शरीर में जैसे बांस हो जाती है। शरीर को जाकर जलाते हैं। तो तुम्हारा आत्मा के साथ ही प्यार है। *तुम बच्चों को यह शुद्ध अभिमान होना चाहिए कि मैं आत्मा हूँ।* पूरा आत्म-अभिमानी बनना है। मेहनत सारी इसमें ही है। मुझ आत्मा को इन आरगन्स द्वारा कोई भी बुरा काम नहीं करना चाहिए। नहीं तो सजा खानी पड़ेगी।

उत्तर 12- *D.उपरोक्त सभी*

श्रीमत का उल्लंघन करने वालों को माया के भूत अन्त में राम नाम सत है... करके घर ले जायेंगे। फिर बहुत कड़ी सजा खानी पड़ेगी। श्रीमत पर न चले तो यह मरे। धर्मराज

पूरा हिसाब लेता है, इसलिए बाप बच्चों को अच्छी मत देते, बच्चे माया की बुरी मत से सावधान रहो।

उत्तर 13- *C.जेवर (शरीर)*

योगबल से फिर शरीर भी पवित्र मिलेगा। संन्यासी लोग तो कह देते हैं आत्मा निर्लेप है बाकी शरीर पतित है इसलिए गंगा स्नान करते हैं। *अरे आत्मा सच्चा सोना नहीं होगी तो जेवर (शरीर) सच्चे सोने का कैसे बनेगा।* इस समय 5 तत्व भी तमोप्रधान हैं।

उत्तर 14- *D.63*

सतगुरू ही आकर सारे चक्र का राज़ समझाते हैं कि तुम देवता थे फिर क्षत्रिय बने, फिर वैश्य शूद्र बनें। ऐसे 84 जन्म पूरे किये। *8 पुनर्जन्म सतयुग में, 12 पुनर्जन्म त्रेता में, फिर 63 जन्म द्वापर कलियुग में।* चक्र को फिरना ही है। यह बातें मनुष्य नहीं जानते।

उत्तर 15- *D. B और C*

बाप बच्चों को रोज़ भिन्न-भिन्न ढंग से नई प्वाइंट्स सुनाते हैं *क्योंकि बच्चों स्वर्गकी अनेक जन्मों की दिल पूरी करनी है। बच्चे बाप द्वारा नई-नई प्वाइंट्स सुनते हैं तो बाप के प्रति लव बढ़ता जाता है।*

उत्तर 16- *D.उपरोक्त सभी*

ऐसे नहीं कि सम्मुख वालों को माया भुलाती नहीं है। *सम्मुख वालों को भी माया भुलाती है।* सतयुग के लिए चाहिए आदि सनातन देवी-देवता धर्म और कोई धर्म वाले मनुष्य को देवता बना नहीं सकते। उन्हों को जाना ही मुक्ति में है, सुख है ही में। *जब हम देवी-देवता बनें तब दूसरे धर्म वाले मुक्ति में जायें।* दूसरे समझते हैं यह तो कलियुग है। *हम अभी कलियुग में नहीं हैं।*